अनुसंधान और उत्कृष्टता हासिल करने के मिशन पर है सीयूजे : कुलपति

विशेष संवाददाता, रांची

केंद्रीय विवि, झारखंड (सीयूजे) एक मार्च को अपना 13वां स्थापना दिवस मनायेगा. एक मार्च 2009 को स्थापित होने के इन 13 वर्षों में विवि में काफी उतार-चढ़ाव आये. इन वर्षों में विवि में नियुक्ति से लेकर भवन निर्माण में गड़बड़ी के आरोप लगते रहे. स्नातक के कई कोर्स बंद हो गये. चेरी-मनातू परिसर में जमीन की समस्या अब तक नहीं सुलझी. पहुंच पथ के लिए जमीन नहीं मिल सकी. हालांकि, बातचीत कर सभी समस्या का हल निकाला जा रहा है. अब एक बार फिर नये वीसी प्रो क्षिति भूषण दास के नेतृत्व विवि ने विकास के कदम बढ़ाये हैं. कुलपति ने कहा कि सीयूजे अनुसंधान और उत्कृष्ट संस्थान बनने के लिए अपने मिशन पर अच्छी तरह से तैयार है और निकट भविष्य में कई उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल करने की योजना तैयार की है.

प्रो क्षिति भूषण दास.

- निकट भविष्य में कई उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल करने की योजना

प्रो दास ने कहा कि विवि में वर्ष 2022 से सभी कार्यक्रमों और पाठ्यक्रमों में राष्ट्रीय शिक्षा नीति को समग्र रूप से लागू करने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाये गये हैं. राष्ट्रीय स्तर के अनुसंधान एवं विकास प्रकोष्ठ की स्थापना की जा रही है. नये पदों का सृजन किया गया है. पठन-पाठन व प्रशासनिक कार्य सुचारु हो सके, इसके लिए नियुक्ति प्रक्रिया आरंभ कर दी गयी है. संस्थान में अब इतिहास, अर्थशास्त्र, दर्शनशास्त्र, मनोविज्ञान, गणितीकी, संस्कृत और अनुवाद अध्ययन सहित कई नये विभाग खोले जा रहे हैं. कुलपति ने कहा कि नये कोर्स के माध्यम से विवि सामाजिक विज्ञान और समाज के समग्र विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की ओर अग्रसर हुआ है. विवि में शोध से पर्यावरण, समाज और सतत विकास के लिए शासन, इनोवेशन और इंटरप्रेन्योरशिप केंद्र, स्वदेशी ज्ञान और सतत विकास केंद्र खोलने की दिशा में कार्रवाई आरंभ की गयी है.

आज स्थापना दिवस, पांच मार्च तक होंगे कई कार्यक्रम

सीयूजे अपने स्थापना दिवस पर एक से पांच मार्च 2022 तक कई कार्यक्रम का आयोजन कर रहा है. एक मार्च को मुख्य कार्यक्रम के अलावा दो मार्च को सुबह 10 बजे से लिटरेरी प्रतियोगिता और पेंटिंग/ड्राइंग प्रतियोगिता, तीन मार्च को पावर प्वाइंट प्रजेंटेशन व क्विज का आयोजन होगा. चार मार्च को शॉर्ट विडियो प्रतियोगिता का आयोजन किया जायेगा. पांच मार्च को समापन कार्यक्रम होगा. सभी कार्यक्रम डिपार्टमेंट ऑफ कंटेपोररी एंड ट्राइबल कन्टमरी लॉ (रूम नंबर 407), चेरी मनातू परिसर में होंगे. क्विज प्रतियोगिता का विषय नेशनल एजुकेशन पॉलिसी रखा गया है.

ASUS DELL Lenovo AVITA
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान खड़गपुर

सीयूजे का स्थापना दिवस आज, कुलपति करेंगे संबोधित

जासं, रांची : अपने 12 वर्षों के सफर के दौरान झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय रांची ने शिक्षा और अनुसंधान के हर क्षेत्र में बेहतर कार्य किया है। इसमें प्रतिभाशाली और ऊर्जावान संकाय और स्टाफ सदस्यों की अहम भूमिका रही और एक जीवंत अकादमिक माहौल बनाया है। कई संकाय सदस्य डीबीटी-रामलिंगस्वामी फेलोशिप, डीएसटी-रामानुजम फैलोशिप, डीएसटी-इंस्पायर, यूजीसी-एफआरपी सहित प्रतिष्ठित परियोजनाओं और फेलोशिप प्राप्त कर चुके हैं। वर्तमान में विवि में प्रतिष्ठित डीबीटी-बिल्डर कार्यक्रम, डीएसटी-सीओई जीईटी सहित कई महत्वपूर्ण शोध कार्यक्रम चल रहे हैं। यूजीसी, डीएसटी, डीबीटी, सीएसआईआर, आईसीएसएसआर, एमओईएफ, एमओईएस, इसरो जैसी विभिन्न फंडिंग एजेंसियों द्वारा व्यक्तिगत अनुसंधान एवं विकास अनुसंधान परियोजनाओं के साथ साथ डीएसटी एफआईएसटी कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। उक्त बातें सीयूजे के कुलपति प्रो क्षितिज भूषण दास ने विशेष बातचीत के दरम्यान कही। वर्ष 2022 से सभी कार्यक्रमों और पाठ्यक्रमों में राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी-2020) को लागू किया गया है। कुलपति ने कहा राष्ट्रीय स्तर के अनुसंधान एवं विकास प्रकोष्ठ की स्थापना की गई है।

झारखंड केंद्रीय विवि • जागरण

यहां के प्रतिभाशाली और ऊर्जावान संकाय और स्टाफ सदस्यों ने बनाया जीवंत अकादमिक माहौल

कई अन्य विभाग खोलने की है योजना

अब विवि विस्तार की स्थिति में है। क्योंकि यह इतिहास, अर्थशास्त्र, दर्शनशास्त्र, मनोविज्ञान, सांख्यिकी, संस्कृत और अनुवाद अध्ययन सहित कई नए विभाग खोलने की योजना बना रहा है। अक्टूबर में हुई 20वीं अकादमिक परिषद की बैठक में इस संबंध में प्रस्ताव पहले ही लिया जा चुका है। प्रस्ताव की मंजूरी के लिए यूजीसी को भेजा जाएगा। यह निर्णय निश्चित रूप से विवि में एक नए युग की शुरुआत करेगा। क्योंकि सामाजिक विज्ञान विवि और समाज के विकास में अहम भूमिका निभाता है। साथ ही पीएचडी की नई मसौदा नीति को भी मंजूरी दी गई है।

प्रस्ताव को मंजूरी

सीयूजे में स्नातक स्तर पर शुरू होंगे 24 कोर्स

रांची | प्रमुख संवाददाता

झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय में अकादमिक सत्र 2022-23 से स्नातक स्तर पर 24 पाठ्यक्रम शुरू होंगे। ये सभी पाठ्यक्रम नई शिक्षा नीति के तहत डिजाइन किए गए हैं। सीयूजे की 20वीं अकादमिक परिषद की बैठक में इस प्रस्ताव को स्वीकृति मिल चुकी है। अब इस प्रस्ताव को आगे की मंजूरी के लिए यूजीसी को भेजा गया है। विश्वविद्यालय में स्नातकोत्तर स्तर पर 19 पाठ्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। सीयूजे 1 मार्च को 13वां स्थापना दिवस मनाएगा। इसकी स्थापना वर्ष 2009 में हुई थी।

विश्वविद्यालय के डीन एकेडेमिक अफेयर्स प्रो मनोज कुमार ने बताया कि इस वर्ष से सभी कार्यक्रमों और पाठ्यक्रमों में बहु प्रवेश और निकास प्रणाली के साथ राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी-2020) को समग्र रूप से लागू करने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। राष्ट्रीय स्तर के अनुसंधान व विकास प्रकोष्ठ की स्थापना के उपाय शुरू किए गए हैं। इसके अलावा नए वैधानिक पदों का प्रस्ताव और सृजन किया गया है। इसके अलावा विश्वविद्यालय प्रशासन इतिहास, अर्थशास्त्र, दर्शनशास्त्र, मनोविज्ञान, सांख्यिकी, संस्कृत और अनुवाद अध्ययन सहित कई नए विभाग खोलने की योजना बना रहा है। साथ ही विश्वविद्यालय संकल नामांकन अनुपात (जीईआर) बढ़ाने पर विशेष जोर दे रहा है। इसके अलावा विश्वविद्यालय में सेंटर फॉर एनवायमेंट, सोसायटी एंड गवर्नेंस फॉर सस्टेंबल डेवलपमेंट, सेंटर फॉर इनोवेशन एंड एंटरप्रेन्योरशिप और सेंटर फॉर इंडिजिनस नॉलेज खोलने की स्वीकृति मिल चुकी है।

स्थापना सप्ताह आज से

सीयूजे का 13वें स्थापना दिवस पर 1-5 मार्च तक विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसके तहत 1 मार्च को साहित्यिक प्रतियोगिता होगी। 2 मार्च को चित्रांकन प्रतियोगिता, 3 मार्च को पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन और प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता व 4 मार्च को लघु वीडियो प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी।